

#### **मसाषार** ए

#### EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3--डप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राविकार से प्रकाशित

### PUBLISHED BY AUTHORITY

₩0195]

नई बिल्ली, बुधवार, नयम्बर 11, 1970/द्याद्विन 20, 1892

No. 195]

NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER II, 1970/KARTIKA 20, 1892

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के रूप में रक्षा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

# MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND MINES AND METALS (Department of Mines and Metals)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 11th November 1970

G.S.R. 1897.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (ix) of clause (a) of sub-section (1) of section 2 of the Essential Services Maintenance Act, 1968 (59 of 1968), the Central Government, being of opinion that strikes in any service connected with the supply of electrical energy to the public in the State of Tamil Nadu or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purpose of such supply (not being any such service falling under sub-clause (viii) of clause (a) aforesaid) would result in the infliction of grave hardship on the community, hereby declares every such service to be an essential service for the purposes of the said Act.

[No. C6-12(8)/70.]

# पेट्रोलियन तथा रसायन और बान तथा बात मंत्रालय

# (सान तथा बातु विभाग)

# ग्रिम्बना

#### नई दिल्ली, 11 नवम्बर 1970

सा० का० नि० 1897: — प्रावश्यक सेवा प्रनुरक्षण प्रधिनियम 1968 (1968 कर 59) की धारा 2 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपखण्ड (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार जिसकी यह राय है कि तामिल नाडु राज्य में जनता की विद्युक्त शक्ति की प्रपूर्ति से या ऐसी प्रपूर्ति के प्रयोजनार्थ विद्युत शक्ति के उत्पादन भंडारकरण यह संचरण से सम्बन्धित ऐसी किसी सेवा में [जो उक्त प्रधिनियम के खण्ड (क) के उपखण्ड (8) के प्रधीन ग्राने वाली सेवा न ही] हड़तालों के परिणाम स्वरूप समुदाय की गम्भीर कठिनाई उत्पन्न ही जाएगी उक्त प्रधिनियम के प्रयोजनार्थ हर ऐसी सेवा को एतद्द्वारा भावश्यक सेवा घोषित करती है।

[सं∘ सी० 6-12(8)/70]}

#### ORDER

#### New Delhi, the 11th November 1970

G.S.R. 1898.—Whereas the Central Government is satisfied that in the public interest it is necessary to make the following order;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Essential Services Maintenance Act, 1968 (59 of 1968), the Central Government hereby prohibits strikes in any service in the State of Tamil Nadu connected with the supply of electrical energy to the public or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purpose of such supply, which has been declared by the natification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Chemicals and Mines & Metals (Department of Mines & Metals).

G.S.R. 1897, dated 11-11-1970, to be an essential service for the purposes of the said Act or which falls under sub-clause (viii) of clause (a) of sub-section (1) of section 2 of the said Act.

By order and in the name of the President.
[No. C6-12(8)/70.]

N. SUBRAHMANYAM, Secy.

#### प्रावेश

# नई दिल्ली, 11 मवम्बर 1970

सा० का० नि० 1898 ;— यतः कन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि जन हित में निम्नलिखित ग्रादेश बनाना श्रावश्यक है।

श्रतः सब स्रावश्यक सेवा सन्दरक्षण श्रिधिनियम 1968 (1968 का 59) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा तिम ल नाड़ राज्य में ऐसी किसी सेवा में हड़तालों का प्रतिषेध करती है जो जनता की विद्युत शक्ति की आपूर्ति से या ऐसी आपूर्ति के प्रयोजनार्थं विद्युत किस्त के उत्पादन, भंडारकरण या संवरण से संस्विन्धित है और जो भारत सरकार के पेट्रोलियन तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय (खान तथा धातु विभाग) की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 1897 तारीख 11 नवस्वर, 1970 द्वारा उन्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए आवश्यक सेवा बोधित की आ चुकी है या जो उन्त अधिनियम की धारा 2 की उपधारा (i) क खण्ड (क) उप-खण्ड (viii) के अधीन आती है।

राष्ट्रपति के नाम में और आवेश से।
[सं० सी० 6-12(8)/70]:
एन० सुब्रह्यमण्यम,
सचिव भारत सरकार ।